M.A. - IIIrd Semester

Paper V(a) - Gender and Society

Course Code - SOC 305

Dr. Subhi Dhusia

Professor, Department of Sociology,

D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur

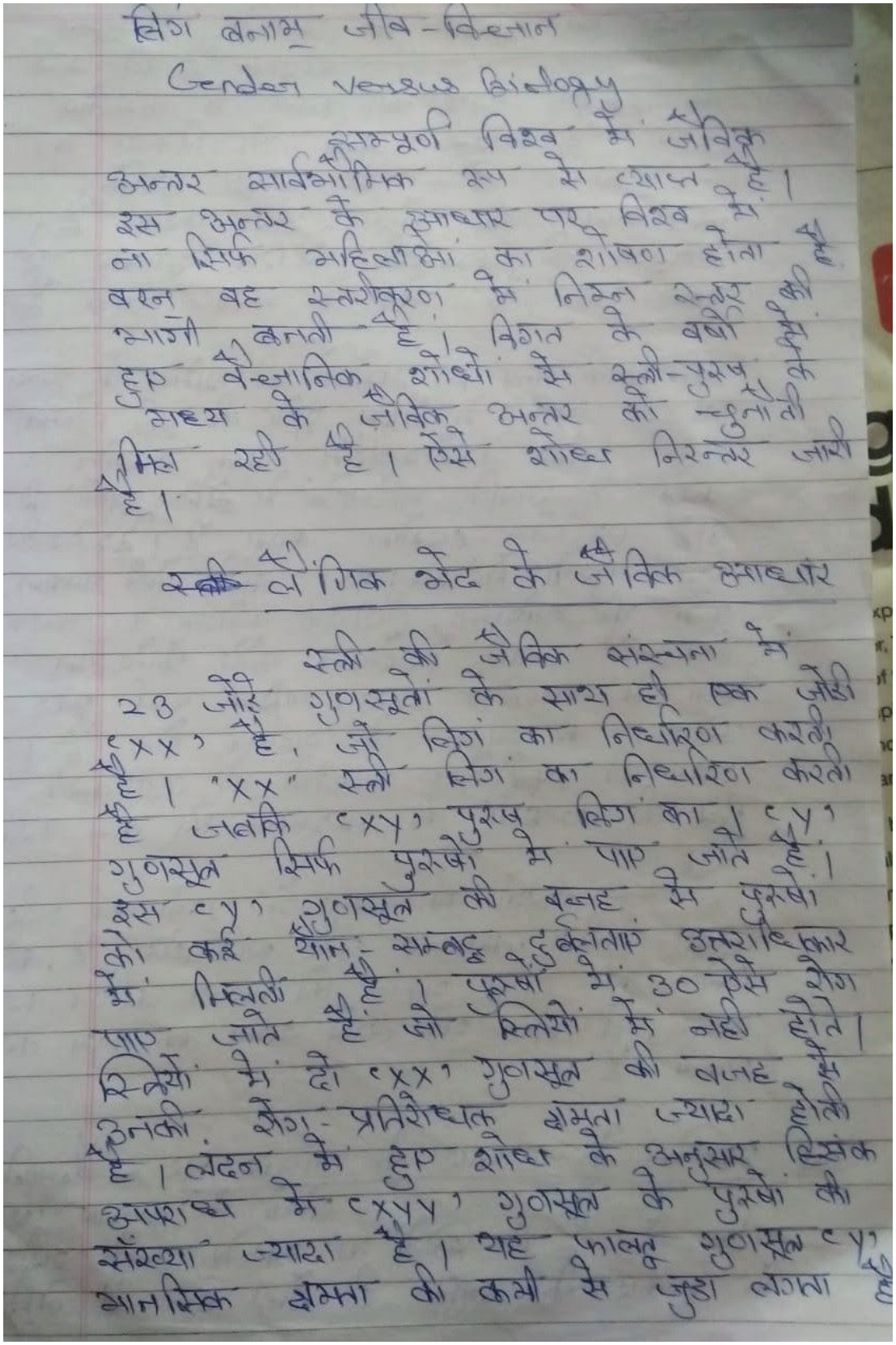

लिंग बनाम जीव-विज्ञान

Gender versus Biology

सम्पूर्ण विश्व में जैविक अन्तर सार्वभौमिक रूप से व्याप्त है। इस अन्तर के आधार पर विश्व में ना सिर्फ महिलाओं का शोषण होता है वरन वह स्तरीकरण में निम्न स्तर की भागी बनती है। विगत के वर्षों में हुए वैज्ञानिक शोधों से स्त्री-पुरुष के मध्य के जैविक अन्तर को चुनौती मिल रही है। ऐसे शोध निरन्तर जारी है।

~~स्त्री~~ लैंगिक भेद के जैविक आधार

स्त्री की जैविक संरचना में 23 जोड़े गुणसूत्रों के साथ ही एक जोड़ी 'XX' है, जो लिंग का निर्धारण करती है। "XX" स्त्री लिंग का निर्धारण करती है जबकि 'XY' पुरुष लिंग का। 'Y' गुणसूत्र सिर्फ पुरुषों में पाए जाते हैं। इस 'Y' गुणसूत्र की वजह से पुरुषों को कई यौन-सम्बद्ध दुर्बलताएं उत्तराधिकार में मिलती है। पुरुषों में 30 ऐसे रोग पाए जाते हैं जो स्त्रियों में नहीं होते। स्त्रियों में दो 'XX' गुणसूत्र की वजह से उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता ज्यादा होती है। लंदन में हुए शोध के अनुसार हिंसक अपराध में 'XYY' गुणसूत्र के पुरुषों की संख्या ज्यादा है। यह फालतू गुणसूत्र 'Y' मानसिक क्षमता की कमी से जुड़ा लगता है

अमेरिका के शेरन मोअलम ने शोध में बताया कि महिलाओं में 'X' क्रोमोसोम की अतिरिक्त मौजूदगी उनकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है इसलिए महिलाओं में कोरोना की दर कम है।

2 **केश एवं हड्डियों की प्रकृति** – अनुमानतः धारणा है कि स्त्री की हड्डियाँ पुरुष की तुलना में कमजोर होती हैं परन्तु स्त्री के विकास का यह वर्णन दोष से ज्यादा उसके लचीलेपन की ओर इशारा करता है। हड्डियों की कमजोरी लैंगिक आधार पर खान-पान के भेद से ज्यादा जुड़ी है।

3 अन्तःस्त्रावी तन्त्र एवं हार्मोनों की भूमिका के आधार पर – पुरुषों में लैंगिक गुणों की वृद्धि एंड्रोजन और टेस्टोस्टीरॉन नामक हारमोन करते हैं जबकि महिलाओं में लैंगिक गुणों की वृद्धि एस्ट्रोजेन हारमोन करता है। टेस्टोस्टीरॉन जहाँ पुरुषों में मैस्कुलाइन बॉडी, मोटी आवाज, बालों की अधिकता, शारीरिक कठोरता का कारक होता है जबकि एस्ट्रोजन और प्रोजेस्ट्रोन स्त्री में चमकीली त्वचा, मासिक धर्म और अंडाशय की सक्रियता में सहायक होता है। साथ ही एस्ट्रोजोन धमनियों को कड़ा करके दिल की बीमारियों की सम्भावना को कम करता है।

स्त्रियों की तुलना में पुरुषों का शरीर ज्यादा गठीला, ताकतवार और भारी होता है, वहीं स्त्रियों का शरीर थकान को ज्यादा बर्दाश्त कर सकता, वे बिना थके लम्बे समय तक काम कर सकती हैं।

4 **मस्तिष्क के आकार के आधार पर** – वैज्ञानिक शोधों के आधार पर सिद्ध होता है कि स्त्रियों का मस्तिष्क उनके शरीर के आकार के अनुरूप ही छोटा होता है लेकिन

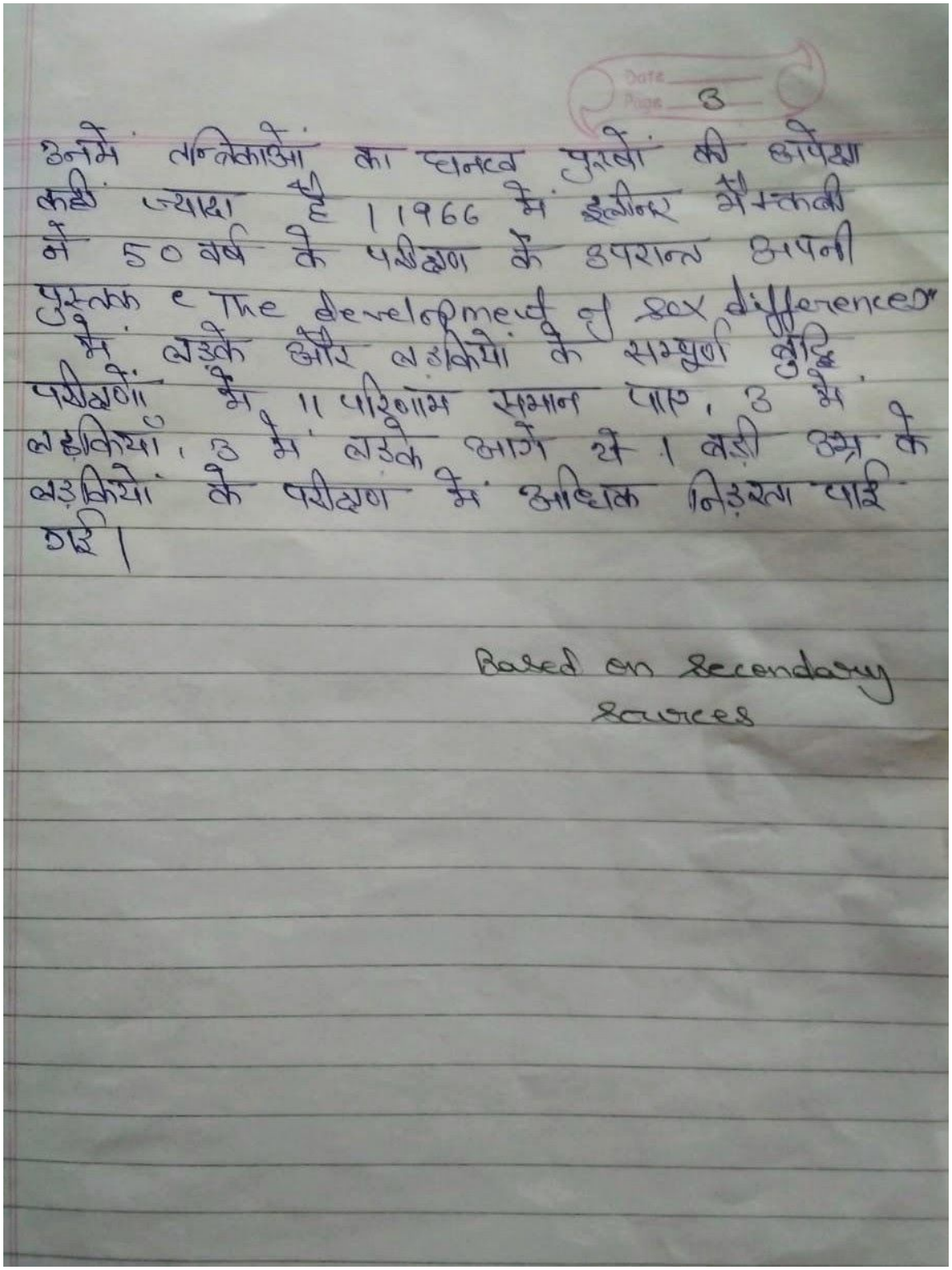

Page 3

उनमें तन्त्रिकाओं का घनत्व पुरुषों की अपेक्षा कहीं ज्यादा है। 1966 में इलीनर मैक्कबी ने 50 वर्ष के परीक्षण के उपरान्त अपनी पुस्तक "The development of sex differences" में लड़के और लड़कियों के सम्पूर्ण बुद्धि परीक्षणों में 11 परिणाम समान पाए, 3 में लड़कियाँ, 3 में लड़के आगे थे। बड़ी उम्र के लड़कियों के परीक्षण में अधिक निड़रता पाई गई।

Based on Secondary Sources

THANKS